28-05-2021

चीनी व डिस्टलरीज उद्योग में रोजगार की बढ़ी मांग से शर्करा संस्थान में उत्साह

■ कानपुर (एसएनबी)।

कोरोना संकट का उद्योगों पर विपरीत प्रभाव पड़ने के कारण रोजगार के अवसर जहां घटे हैं, वहीं चीनी एवं डिस्टलरीज उद्योगों में प्रशिक्षित मानव शक्ति की मांग बढ़ी है। इससे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में उत्साह का माहौल है। चीनी मिलें, डिस्टलरीज एवं इथेनॉल इकाइयों से टेक्नोलॉजिस्टों के लिए अनुरोध आ रहे हैं। इससे विपरीत हालात में भी संस्थान के छात्रों को अच्छे पैकेज के रोजगार मिलने की उम्मीद है।

संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन का कहना है कि चीनी मिलों के लिए चीनी की क्वालिटी एवं हाइजीनिक पैकेजिंग एक महत्वपूर्ण विषय हो गया है। उनके द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण हेतु विभिन्न सर्टिफिकेशन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में इन कार्यों के लिए प्रशिक्षित छात्रों हेतु रोजगार के अवसर बढ़े हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों के कारण अब हर चीनी मिल एवं डिस्टलरीज में एक एनवायरनमेंट सेल बनाना अनिवार्य हो गया है। इससे संस्थान के क्वालिटी कंट्रोल एवं एनवायरनमेंट साइंस के परास्नातक कोर्स के छात्रों की मांग बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि यद्यपि अकादमिक सत्र 2020-21 अभी चालू नहीं हो पाए हैं लेकिन

कोरोना संक्रमण काल में संस्थान के विद्यार्थियों को अच्छे पैकेज पर रोजगार की उम्मीद

प्रो. नरेन्द्र मोहन।

चीनी मिलों से मांग हेतु अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त देश में एथेनॉल सेक्टर का तेजी से विकास हो रहा है एवं भविष्य में 400 से अधिक डिस्टलरीज की स्थापना के प्रस्ताव को देखते हुए टेक्नोलॉजिसटों की मांग बढ़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई कोरोना संकटकाल में भी संबंधित उद्योगों में विद्यार्थियों को अच्छे पैकेज के रोजगार मिलने की उम्मीद है।

चीनी उद्योग में बढ़े रोजगार के अवसर

निदेशक नरेंद्र मोहन

कानपुर, 27 मई। चीनी उद्योग में क्वालिटी कंट्रोल, एनवायरमेंट साइंस तथा इथेनाल प्रोडक्शन में रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। मिलों के लिये चीनी की गुणवत्ता और हाईजेनिक पैकिंग अब महत्वपूर्ण विषय है। खासकर गुणवत्ता नियंत्र ण की दिशा में काफी काम हो रहा, जिसने छात्रों के लिये रोजगार अवसर बढ़ा दिये हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि एनवयारमेंट साइंस के क्षेत्र में रोजगार की संभावना प्रबल हो गयी हैं। अब हर चीनी मिल और डिस्टलरी में एनवायरमेंट सेल बनाना अनिवार्य है, जिसके चलते संस्थान के क्वालिटी कंट्रोल एवं एनवायमेंट साइंस के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि संस्थान का 2021-22 सत्र अभी चालू नहीं हुआ है लेकिन अभी से तमाम चीनी मिलों से मांग के लिये अनुरोध पत्र मिल गये हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इथेनाल सेक्टर के ते जी से विकास के चलते अल्कोहल टेक्नोलाजिस्ट की मांग भी बढ़ रही है।

चीनी मिलों की प्लेसमेंट देने की इच्छा

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में छात्रों के दाखिले से पहले ही चीनी मिलों ने प्लेसमेंट देने की इच्छा जाहिर करना शुरू कर दिया है। सबसे अधिक मांग क्वालिटी कंट्रोल व एनवायरमेंटल साइंस के विशेषज्ञों की है। हालांकि एल्कोहल टेक्नोलॉजिस्ट की भी मांग पिछले वर्षों की अपेक्षा बढ़ी है। इससे तय है कि कोरोना का दुष्प्रभाव भले ही कई सेक्टर में पड़ा हो, लेकिन शर्करा उद्योग में छात्रों को बेहतर पैकेज पर प्लेसमेंट मिलना तय है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बाद चीनी मिलों में कई सुधार लाए जा रहे हैं। चीनी की क्वालिटी व हाइजीनिक पैकिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे चीनी उद्योग में क्वालिटी कंट्रोल, एनवायरमेंटल साइंस के विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। साथ ही, सेंट्रल पाल्युशन कंट्रोल बोर्ड ने चीनी मिल व डिस्टलरी में एनवायरमेंटल सेल का गठन अनिवार्य कर दिया है। प्रो. मोहन ने कहा कि इथेनॉल सेक्टर तेजी से बूम करेगा, इसे देखते हुए भविष्य में 400 से अधिक डिस्टलरी की स्थापना का प्रस्ताव है।

चीनी मिलों, डिस्टलरियों में बनेगी एनवायरमेंट सेल

कानपुर। चीनी उद्योग में क्वालिटी कंट्रोल, एनवायरमेंट साइंस और इथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चीनी मिलों और डिस्टलरियों में एनवायरमेंट सेल अनिवार्य कर दी है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण विज्ञान की अहमियत चीनी उद्योग में बढ़ रही है। क्वालिटी कंट्रोल और पर्यावरण विज्ञान में स्नातक कोर्स की जरूरत बढ़ गई है। इस संबंध में चीनी मिलों के मांग पत्र भी आ रहे हैं। 400 डिस्टलरियों की स्थापना के प्रस्ताव आए हैं। इससे एल्कोहल टेक्नोलॉजिस्ट की भी जरूरत होगी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की संस्थान के छात्रों को अच्छे पैकेज पर रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। कोरोना काल में चीनी क्वालिटी, हाइजीनिक पैकेजिंग भी महत्वपूर्ण विषय हो गया है। (ब्यूरो)

कोरोना काल में चीनी उद्योग में नए अवसर बढ़े

KANPUR (27 May): कोरोना काल में जहां उद्योग काफी प्रभावित हुए है. वहीं कुछ क्षेत्रों में नए अवसर भी उत्पन्न हुए है. चीनी उद्योग में भी क्वालिटी कंट्रोल, एनवायरमेंट साइंस एवं इथेनॉल प्रोडक्शन के क्षेत्रों में तकनीकी मानवशक्ति की मांग बढ़ी है. यह कहना था राष्ट्रीय शंकरा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन का, उन्होंने बताया कि एनवायरमेंट साइंस एक अन्य विषय है. जिसकी मांग चीनी उद्योग में तेजी से बढ़ी है. सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के दिशा निर्देश के कारण अब हर चीनी मिल एवं डिस्टलरी को एक एनवायरमेंट सेल बनाना अनिवार्य है. उन्होंने बताया की संस्थान का अकादमी सत्र 2021–22 अभी चालू नहीं हुआ है. अनेक चीनी मिलों से मांग हेतू अनुरोध प्राप्त हुए है. देश में इथेनॉल सेक्टर का तेजी से विकास होने और भविष्य में 400 से अधिक डिस्टलरीज की स्थापना के प्रस्तावों को देखते हुए अल्होकल टेक्नोलॉजिस्ट की मांग बढ़ी है.